भाषा, लिपि, बोली और व्याकरण
(Language, Script, Dialect & Grammar)

1

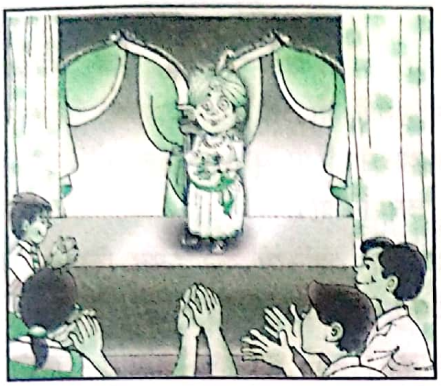

मनुष्य का यह स्वभाव है कि वह अपने मन के भावों और विचारों का आदान-प्रदान करता है। जब भाषा नहीं थी, तब मनुष्य संकेतों द्वारा इन्हें प्रकट करता था। संकेत द्वारा मन के सभी भाव और विचार प्रकट नहीं किए जा सकते।

महेश ने नाटक में अभिनय किया था। उसे श्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला। वह अपनी प्रसन्नता को अपने भावों और संकेतों द्वारा प्रकट कर सकता है। वह प्रसन्न क्यों है? उसकी प्रसन्नता का कारण क्या है? इसे भाषा द्वारा ही प्रकट किया जा सकता है।

भाषा वह माध्यम है जिसके द्वारा मन के भावों और विचारों को प्रकट किया जाता है और दूसरों के भावों और विचारों को जाना जाता है।

भाषा भावों और विचारों के आदान-प्रदान का साधन है।

भाषा द्वारा अपने मन के भावों और विचारों को बोलकर और लिखकर प्रकट किया जाता है और उन्हें सुनकर तथा पढ़कर जाना जाता है।

भाषा के रूप

भाषा के दो रूप होते हैं— (3) सांकेतिक भाषा

1. मौखिक भाषा 2. लिखित भाषा।

(1) मौखिक भाषा : भाषा के जिस रूप से मन के भावों और विचारों का आदान-प्रदान बोलकर और सुनकर किया जाता है, उसे मौखिक भाषा कहते हैं। जब व्यक्ति आमने-सामने या फ़ोन पर बात करता है अथवा नेता जी भाषण देते हैं तो इनमें प्रयुक्त भाषा 'मौखिक भाषा' कहलाती है। मौखिक भाषा स्थायी नहीं होती, परंतु आजकल इलैक्ट्रॉनिक यंत्रों द्वारा टेपरिकार्डर की सहायता से कैसेट्स और सी०डी० आदि में मौखिक भाषा को स्थायी रूप प्रदान कर दिया जाता है। सामान्य बातचीत अस्थायी होती है।

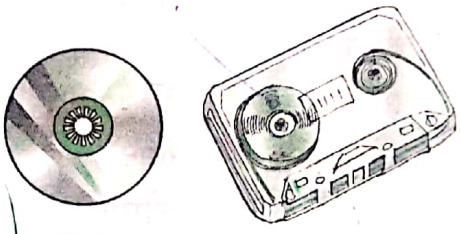

(2) लिखित भाषा : भाषा के जिस रूप से मन के भावों और विचारों का आदान-प्रदान लिखकर और पढ़कर किया जाता है, उसे लिखित भाषा कहते हैं।

दिए गए चित्र में आप देख रहे हैं कि बच्चे परीक्षा दे रहे हैं। प्रश्नों के लिए उत्तर लिखते हुए, गणित के सवाल हल करते हुए अथवा कहानी, कविता, निबंध या पत्र लिखते हुए सब लिखित भाषा का प्रयोग करते हैं।

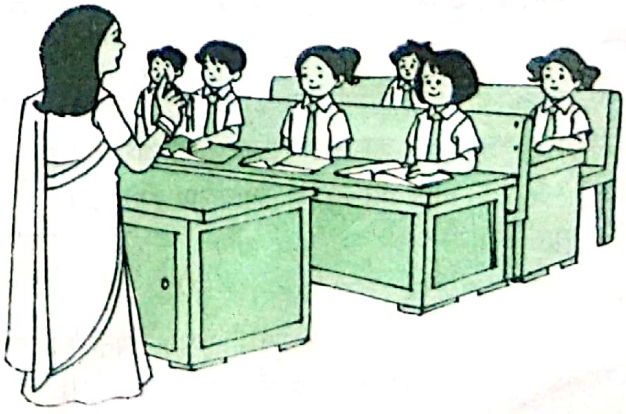

Scanned with CamScanner

दुकानों के नाम-पट्ट, समाचार-पत्र, पुस्तकें, पत्र, पोस्टर, इश्तहार आदि भाषा के लिखित रूप हैं। भाषा का लिखित रूप स्थायी होता है।

हिंदी और अन्य भारतीय भाषाएँ : हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा है। इसे देश के प्रत्येक भाग में बोला और समझा जाता है। जम्मू-कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक और अंडमान-निकोबार से लेकर राजस्थान तक सभी इसका प्रयोग करते हैं। हिंदी विश्व की दूसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है।

भारत सरकार ने 14 सितंबर 1949 को इसे देश की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। इस प्रकार यह सरकारी काम-काज की भाषा भी बन गई है। हिंदी इन प्रांतों की राजभाषा भी है—उत्तर प्रदेश, झारखंड, उत्तरांचल, मध्य प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, चंडीगढ़, राजस्थान, दिल्ली, अंडमान-निकोबार।

अन्य भारतीय भाषाएँ : संविधान में भारत की भाषाओं को भी मान्यता दी गई है — असमी, बंगला, गुजराती, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, उर्दू, सिंधी, तमिल, तेलुगु, बोडो, डोगरी, मैथिली तथा संथाली।

लिपि : भाषा का प्रारंभिक रूप मौखिक था। वह केवल बोली जाती थी। धीरे-धीरे इसका लिखित रूप बना। इसकी ध्वनियों के लिए कुछ चिह्न बने। इस प्रकार भाषा ने लिखित रूप लिया।

> ***भाषा की ध्वनियों को जिन चिह्नों के द्वारा लिखा जाता है, उसे लिपि कहते हैं।***

भाषा को लिखने का ढंग लिपि है। विश्व की सभी भाषाओं की अपनी-अपनी लिपियाँ हैं।

भाषा	लिपि	प्रयोग
हिंदी	देवनागरी	व्याकरण भाषा का सुधारक होता है।
गुजराती	देवनागरी	मने भारतीय होवा पर गर्व छे।
संस्कृत	देवनागरी	सर्वे भवन्तु सुखिनः।
पंजाबी	गुरुमुखी	ਮੈਨੂੰ ਭਾਰਤੀਅ ਹੋਣ ਤੇ ਮਾਣ ਹੈ।
बांग्ला	बंगाली	আমি সবাইকে ভালোবাসি।
मराठी	देवनागरी	मी भारतीय आहे याचा मला अभिमान आहे।
अंग्रेज़ी	रोमन	I love my country.
उर्दू	फ़ारसी	مجھے ہندوستانی ہونے پر فخر ہے۔

बोली

सीमित क्षेत्र में स्थानीय व्यवहार में प्रयोग की जाने वाली भाषा बोली कहलाती है। बोली किसी क्षेत्र विशेष में प्रयुक्त होती है। बोलियों का लिखित रूप नहीं होता। उन्हें सरकारी काम-काज में भी मान्यता प्राप्त नहीं होती। भारत में ऐसे कई प्रांत हैं, जहाँ विभिन्न प्रांतों में अनेक बोलियाँ बोली जाती हैं। बोली थोड़ी दूर पर बदल जाती है। जैसे - भोजपुरी, बुंदेली, कन्नौजी, हरियाणवी आदि।

व्याकरण : भाषा और व्याकरण का गहरा संबंध होता है। भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान व्याकरण के अध्ययन से प्राप्त होता है। प्रत्येक भाषा का अपना व्याकरण होता है।

चार आदमी उधर जा रही थी।
दोनों लड़कियाँ खाना बना रहे हैं।

ये वाक्य शुद्ध हैं या अशुद्ध, इसका पता व्याकरण से चलता है। ये वाक्य अशुद्ध हैं। इनका शुद्ध रूप इस प्रकार है—

चार आदमी उधर जा रहे थे।
दोनों लड़कियाँ खाना बना रही हैं।

> ***वह शास्त्र जिससे भाषा के शुद्ध रूप और उसके प्रयोग का ज्ञान होता है, उसे व्याकरण कहते हैं।***

व्याकरण में भाषा को शुद्ध रूप में प्रयोग करने के नियम होते हैं। इनके ज्ञान से ही भाषा को शुद्ध रूप में बोलना और लिखना आता है।

Scanned with CamScanner

अभ्यास 1

भाषा से आप क्या समझते हैं?

दिए गए विकल्पों में से उचित विकल्प छाँटकर लिखिए :

(i) भारत की राष्ट्रभाषा का नाम क्या है?
(क) संस्कृत (ख) हिंदी
(ग) बांग्ला (घ) अंग्रेज़ी

(ii) विश्व की दूसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा कौन-सी है?
(क) अंग्रेज़ी (ख) फ्रेंच
(ग) उर्दू (घ) हिंदी

(iii) हिंदी भारत की राजभाषा कब बनी?
(क) 14 सितंबर 1947
(ख) 14 सितंबर 1949
(ग) 15 अगस्त 1947
(घ) 15 अगस्त 1949

(iv) देवनागरी लिपि में कौन-सी भाषा लिखी जाती है?
(क) संस्कृत (ख) हिंदी
(ग) मराठी (घ) ये सभी

(v) फ़ारसी लिपि में कौन-सी भाषा लिखी जाती है?
(क) पंजाबी (ख) उर्दू
(ग) फ्रेंच (घ) कश्मीरी

3. उचित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

(i) मनुष्य अपने विचारों का आदान-प्रदान ..... के माध्यम से करता है।

(ii) टेलीविज़न पर सुनी गई बातें भाषा का ..... रूप होती हैं।

(iii) पिता जी को लिखा गया पत्र भाषा के ..... रूप में होता है।

(iv) कविता पाठ भाषा का ..... रूप होता है।

(v) प्रत्येक भाषा का अपना ..... होता है।

4. भारत के संविधान में किन-किन भारतीय भाषाओं को मान्यता दी गई है?

5. व्याकरण के अध्ययन से क्या लाभ हैं?

6. निम्नलिखित वाक्यों को व्याकरण के आधार पर शुद्ध कीजिए—

(i) मेरे को तंग मत करो।
(ii) हम बस से आया हूँ।
(iii) पंजाबी भाषा गुरुमुखी लिपि में लिखा जाता है।
(iv) हम आपको बता दिए थे।
(v) माँ ने खाना डाल दिया है।
(vi) लड़का लोग को समझाइए तो।
(vii) क्या आप फ़ॉर्म भरे हैं?
(viii) हिंदी भारत की राजभाषा है।
(ix) बिल्ली सारी दूध खा गई।
(x) चिड़ियाँ ने दाना खा लिया।

फॉरमेटिव असेसमेंट के लिए

क्रियाकलाप

वार्तालाप अथवा प्रश्नोत्तरी विधा के माध्यम से कक्षा में विद्यार्थियों से भाषा के विभिन्न रूप, उनकी उपयोगिता, लिपि, बोली, व्याकरण तथा व्याकरण के लाभ आदि पर चर्चा की जा सकती है।

खेल-खेल में अथवा क्विज़ प्रतियोगिता के रूप में देशी-विदेशी विभिन्न भाषाओं और उनकी लिपियों के बारे में पूछ सकते हैं।

कश्मीरी, उर्दू, अरबी, सिंधी आदि भाषाओं को छोड़कर भारत की अधिकांश भाषाएँ बाएँ से दाएँ लिखी जाती हैं। किंतु संसार के कुछ अन्य देशों की भाषाएँ ऊपर से नीचे की ओर लिखी जाती हैं। उन देशों के नाम तथा उन भाषाओं के नाम पता करने के लिए कह सकते हैं।

Scanned with CamScanner